Education Research Training Development
Vasudhaiva Kutumbakam

त्रिनिकेतन समाचार

FOR PRIVATE CIRCULATION ONLY

खंड-3, संख्या 3 और 4 जुलाई – दिसंबर 2025

प्रधान संपादक: डॉ. अनिला नायर

केरल: ईश्वर का अपना देश

डॉ. अनिला नायर द्वारा

केरल प्रोफ़ाइल		
कुल क्षेत्रफल	:	38,863 वर्ग कि.मी.
जनसंख्या	:	36,111,000 (2025)
साक्षरता दर 94 प्रतिशत	:	(महिला: 92.1%, पुरुष: 96.1%)
लिंगानुपात	:	1,000 पुरुषों पर 1,084 महिलाएं
जीडीपी / सकल घरेलू उत्पाद	:	$167.90 बिलियन
क्षेत्रफल विस्तार	:	भारत के कुल क्षेत्रफल का 1.8%
राज्य पक्षी	:	धनेश

केरल ने एक बड़ी सफलता हासिल की है – उसने अपनी खूबसूरत ज़मीन से अत्यधिक गरीबी को खत्म कर दिया है। यह हरा-भरा मालाबार तट 1 नवंबर 1956 को बना था।

नारियल के पेड़ों से सजी, भगवान की यह भूमि रबर, चाय, कॉफी, काजू और कई तरह के मसालों का भी घर है। इसके खूबसूरत रेतीले समुद्र तट, बैकवाटर, हिल स्टेशन और समृद्ध संस्कृति और धार्मिक स्थल पर्यटकों के लिए बड़े आकर्षण हैं।

इसकी आयुर्वेदिक मेडिकल केयर सर्विस मेडिकल टूरिस्ट के लिए एक बड़ा आकर्षण है।

केरल ने आम लोगों को वेलफेयर स्कीम देने के अलावा, अपने अलग-अलग ग्रुप के मज़दूरों को वेलफेयर के उपाय देने में भी बहुत तरक्की की है। अलग-अलग वेलफेयर एक्ट के तहत वेलफेयर स्कीम ने मज़दूरों को किसी भी ऐसे संकट से बचाकर मदद की है, जिससे उनकी इनकम छिन सकती थी।

इस तरह केरल ने शिक्षा, सोशल सिक्योरिटी प्रोग्राम और स्कीमों और रोज़गार के ज़रिए अपनी ज़मीन से "अत्यधिक गरीबी" को खत्म करने में कामयाबी हासिल की है।

हमारे सिर काट दो, पेड़ नहीं: पेड़ों के लिए जान देना सस्ता बलिदान है

डॉ. पूनम एस. चौहान द्वारा

अमृता देवी और 363 विश्नोइयों की ऐतिहासिक कहानी पर्यावरण के इतिहास में एक सुनहरा अध्याय है, जो अगस्त 1730 की है। जब जोधपुर के राजा अभय सिंह ने अपने नए महल के लिए चूना जलाने के लिए खेजरली गांव में खेजड़ी के पेड़ काटने का आदेश दिया, तो प्रकृति की पूजा करने वाले विश्नोई समुदाय ने विद्रोह कर दिया। अमृता देवी के नेतृत्व में, उन्होंने पेड़ों को बचाने के लिए उन्हें गले लगा लिया, यह घोषणा करते हुए कि पेड़ों को खोने से बेहतर है कि वे अपनी जान दे दें। दुख की बात है कि राजा के मंत्रियों ने बेरहमी से अमृता देवी, उनकी बेटियों और आखिरकार 363 ग्रामीणों का सिर काट दिया, जब वे पेड़ों के तनों से चिपके हुए थे। अहिंसक प्रतिरोध का यह कार्य चिपको आंदोलन का सच्चा अग्रदूत माना जाता है।

इस महान बलिदान को देखकर, राजा आखिरकार झुक गए, माफ़ी मांगी और एक शाही फ़रमान जारी किया जिसमें विश्नोई इलाकों में पेड़ों को काटने और शिकार करने पर हमेशा के लिए रोक लगा दी गई। आज, यह जगह एक 'स्मृति स्मारक' (मेमोरियल) के रूप में जानी जाती है, जहाँ हर साल हज़ारों लोग श्रद्धांजलि देने आते हैं। खेजरी का पेड़ इस क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण आर्थिक और आध्यात्मिक संपत्ति बना हुआ है, जो रेगिस्तान में फल और हरियाली देता है। ग्लोबल वार्मिंग और विनाशकारी विकास के इस दौर में, विश्नोई लोगों की विरासत एक शक्तिशाली याद दिलाती है कि इंसानों का अस्तित्व प्रकृति की सुरक्षा से जुड़ा हुआ है।

संपादक - मंडल

मुख्य संपादक - डॉ. अनिला नायर

संपादकीय बोर्ड के सदस्य

- प्रो. जितेंद्र चौधरी
- श्री कैलाश नायर
- सुश्री कार्तिका पिल्लई, कार्यकारी निदेशक

सामग्री की सूची

केरल: भगवान का अपना देश - 1
हमारे सिर काट दो, पेड़ नहीं: पेड़ों के लिए जान देना सस्ता बलिदान है। - 1
त्रिनिकेतन गतिविधियाँ - 2
प्रकाशनों - 3
संरक्षक का प्रोफ़ाइल: डॉ. पूनम एस. - 3
अधिकारियों की भागीदारी - 3
भारत में पर्यटन क्षेत्र में रोज़गार की संभावनाएँ - 3

खेजरली (जिसे खेजरी भी कहा जाता है) राजस्थान के लूणी तहसील में जोधपुर से लगभग 26 किलोमीटर दक्षिण-पूर्व में स्थित एक ऐतिहासिक गाँव है। इस गाँव का नाम खेजड़ी के पेड़ (प्रोसोपिस सिनेरेरिया) से पड़ा है, जिसे पवित्र माना जाता है और यह रेगिस्तानी इलाके की इकोलॉजी और लोगों की रोज़ी-रोटी के लिए बहुत ज़रूरी है। खेजरली का भारतीय इतिहास में एक खास स्थान है क्योंकि यह सबसे पुराने ज्ञात पर्यावरण संरक्षण आंदोलनों में से एक से जुड़ा हुआ है।

खेजरली (जिसे खेजरी भी कहा जाता है) राजस्थान के लूणी तहसील में जोधपुर से लगभग 26 किलोमीटर दक्षिण-पूर्व में स्थित एक ऐतिहासिक गाँव है। इस गाँव का नाम खेजड़ी के पेड़ (प्रोसोपिस सिनेरेरिया) से पड़ा है, जिसे पवित्र माना जाता है और यह रेगिस्तानी इलाके की इकोलॉजी और लोगों की रोज़ी-रोटी के लिए बहुत ज़रूरी है। खेजरली का भारतीय इतिहास में एक खास स्थान है क्योंकि यह सबसे पुराने ज्ञात पर्यावरण संरक्षण आंदोलनों में से एक से जुड़ा हुआ है।

यह गांव 1730 ईस्वी के खेजरली नरसंहार के लिए सबसे ज़्यादा मशहूर है, जो पर्यावरण संरक्षण के इतिहास में एक अहम घटना थी। मारवाड़ के महाराजा अभय सिंह के शासनकाल में, महल बनाने के लिए ज़रूरी लकड़ी के लिए खेजड़ी के पेड़ काटने के लिए शाही अधिकारियों को खेजरली भेजा गया था। गांव के बिश्नोई समुदाय, जो गुरु जंभेश्वर (जंभाजी) की शिक्षाओं को मानते हैं, उन्होंने इस काम का ज़ोरदार विरोध किया। बिश्नोई लोग सख्ती से 29 सिद्धांतों का पालन करते हैं जो अहिंसा और पेड़ों और वन्यजीवों की सुरक्षा पर ज़ोर देते हैं।

इस विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व अमृता देवी बिश्नोई ने किया था, जिन्होंने मशहूर होकर कहा था कि "एक कटे हुए पेड़ से एक कटा हुआ सिर सस्ता है।" उन्होंने और उनकी तीन बेटियों ने पेड़ों को कटने से बचाने के लिए खेजड़ी के पेड़ों को गले लगा लिया और शाही सैनिकों ने उन्हें मार डाला। उनके बलिदान से प्रेरित होकर, खेजरली और आस-पास के गांवों के लोगों ने भी उसी रास्ते का पालन किया। कुल मिलाकर, 363 बिश्नोई पुरुषों, महिलाओं और बच्चों ने शांतिपूर्वक पेड़ों की रक्षा करते हुए अपनी जान दे दी।

जब महाराजा को इस दुखद बलिदान के बारे में पता चला, तो वे बहुत दुखी हुए। उन्होंने तुरंत अधिकारियों को पेड़ काटने से रोकने का आदेश दिया और बिश्नोई गांवों में पेड़ों को काटने और जानवरों का शिकार करने पर रोक लगाने का शाही फरमान जारी किया। आज, इन शहीदों को सम्मान देने के लिए खेजरली में एक स्मारक बना हुआ है।

खेजरली का इतिहास हिम्मत, बलिदान और प्रकृति के प्रति गहरे सम्मान का प्रतीक है, और इसे चिपको आंदोलन जैसे आधुनिक पर्यावरण आंदोलनों का अग्रदूत माना जाता है।

त्रिनिकेतन गतिविधियाँ

- गांव पातर खेड़ा, टीकमगढ़ ब्लॉक, जिला टीकमगढ़ में कार्यक्रम: जिला टीकमगढ़ में 25 नवंबर 2025 को महिला कार्यकर्ताओं की क्षमता निर्माण पर एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य कार्यकर्ताओं को विभिन्न सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के बारे में जागरूक करना और उन्हें अपनी जीवन की गुणवत्ता और आजीविका को बेहतर बनाने की अपनी क्षमता के बारे में जागरूक करना था। गांव के 28 प्रतिभागियों ने कार्यक्रम में भाग लिया।

- हमारी संस्था के सम्मानित सदस्य श्री शिरोमणि राजपूत, सरपंच भूप नगर द्वारा 15 अगस्त 2025 को सभी मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया।

- ग्राम पंचायत भूप नगर में एक फ्री हेल्थ कैंप लगाया गया, जहाँ मुफ्त मेडिकल चेक-अप किए गए और दवाइयाँ बांटी गईं।

- शिक्षक दिवस: 5 सितंबर, 2025 को नई दिल्ली के अलीगाँव में शिक्षक दिवस मनाने के लिए एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में कई बच्चों ने हिस्सा लिया, और उन्हें शिक्षा की ज़रूरत के बारे में जागरूक किया गया।

- बाल दिवस: फाउंडेशन ने भारत के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू के जन्मदिन पर 14 नवंबर, 2025 को बच्चों को शिक्षा और स्वास्थ्य देखभाल के बारे में जागरूक करने के लिए एक कार्यक्रम भी आयोजित किया।

- गांधी जयंती: 2 अक्टूबर, 2025 को फाउंडेशन ने गांधी जयंती मनाई। इस कार्यक्रम में कई बच्चों ने हिस्सा लिया और उन्हें महात्मा गांधी की शिक्षाओं के बारे में बताया गया।

- शांति अवेधना सदन, नई दिल्ली का दौरा: 23 दिसंबर, 2025 को चेयरपर्सन डॉ. अनिला नायर ने इसके कामकाज की देखरेख करने और गंभीर रूप से बीमार मरीजों से मिलने के लिए नई दिल्ली में शांति अवेधना सदन का दौरा किया। अपने दौरे के दौरान, उन्होंने सीनियर सिस्टर के साथ बातचीत की और करुणा दिखाते हुए मरीजों के बीच केक बांटा। डॉ. नायर ने बताया कि संस्थान का

मानवीय कार्य दानदाताओं, स्वयंसेवकों और मेडिकल प्रोफेशनल्स के सामूहिक योगदान से चलता है, और आखिर में उन्होंने समुदाय-समर्थित पहलों के माध्यम से गरिमा और विशेष देखभाल प्रदान करने के प्रति केंद्र के समर्पण की प्रशंसा की।

- चेयरपर्सन डॉ. अनिला नायर ने 15 दिसंबर 2025 को वी.वी. गिरि नेशनल लेबर इंस्टीट्यूट, नोएडा, यू.पी. में "डिसिप्लिनरी प्रोसीडिंग्स और कोर्ट केस हैंडलिंग और लिटिगेशन मैनेजमेंट पर ट्रेनिंग प्रोग्राम" नाम के एक प्रोग्राम में "कम्युनिकेशन स्किल्स" पर एक सेशन लिया।

- क्रिसमस सेलिब्रेशन 2025: फाउंडेशन ने 25 दिसंबर को अलीगाँव, बदरपुर, नई दिल्ली में बड़े उत्साह के साथ क्रिसमस मनाया। इस कार्यक्रम का मकसद पारंपरिक क्रिसमस कैरोल गाकर स्थानीय बच्चों के बीच त्योहार की खुशी फैलाना था। सदस्यों और वॉलंटियर्स ने बच्चों के साथ मिलकर काम किया, जिससे समुदाय और अपनेपन की भावना बढ़ी। इस मौके को और भी खास बनाने के लिए सभी को स्वादिष्ट केक बांटे गए। यह सेलिब्रेशन खुशी बांटने और गरीब बच्चों के लिए यादगार पल बनाने के प्रति फाउंडेशन की प्रतिबद्धता को दिखाता है।

- फाउंडेशन की चेयरपर्सन डॉ. अनिला नायर ने 27 दिसंबर, 2025 को राष्ट्रीय जागृति संस्थान द्वारा इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में आयोजित एक मीटिंग में हिस्सा लिया। मीटिंग में उन्होंने कहा कि सही शिक्षा और संवेदनशील जागरूकता के बिना जाति व्यवस्था से जुड़ी समस्याओं को खत्म नहीं किया जा सकता। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि युवा लोग सही बातचीत और चर्चा से यह काम कर सकते हैं।

प्रकाशन

- सुश्री कार्तिका पिल्लई, एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर ने जर्नल ऑफ़ सोशल वर्क एंड सोशल डेवलपमेंट, वॉल्यूम 16, नंबर 01, जून, 2025 में "रेड लिपस्टिक: महिलाओं की आज़ादी का एक शक्तिशाली प्रतीक" शीर्षक से एक पेपर पब्लिश किया।

लाल लिपस्टिक इराक और मिस्र में एक पुराने स्टेटस सिंबल से बदलकर राजनीतिक विरोध का एक ग्लोबल हथियार बन गई। ऐतिहासिक रूप से धार्मिक और विक्टोरियन स्टैंडर्ड्स के हिसाब से इसे "पाप" या "बेईमानी" माना जाता था, लेकिन महिलाओं ने इस रंग का इस्तेमाल करके सख्त जेंडर नियमों को चुनौती दी। सफ़्रेजेट्स ने आज़ादी के निशान के तौर पर लाल होंठ अपनाए, जबकि दूसरे विश्व युद्ध के दौरान मित्र देशों की महिलाओं ने फासीवाद का विरोध करने के लिए इसका इस्तेमाल किया। आज, लाल रंग पूर्वी और पश्चिमी दोनों संस्कृतियों में दबदबे और स्टेटस का प्रतीक है। सुंदरता से परे, लाल लिपस्टिक आज की महिलाओं को अपने शरीर पर अधिकार वापस पाने की ताकत देती है, और ग्लोबल फेमिनिस्ट आंदोलनों में एकजुटता की एक विज़ुअल भाषा के रूप में काम करती है।

संरक्षक का प्रोफ़ाइल: डॉ. पूनम एस. चौहान

डॉ. पूनम एस चौहान, जो V.V. गिरि नेशनल लेबर इंस्टीट्यूट में पूर्व सीनियर फेलो रह चुकी हैं, उन्होंने खुशी-खुशी हमारे फाउंडेशन की संरक्षक बनना स्वीकार किया है। वह एक जानी-मानी बिहेवियरल साइंटिस्ट हैं। उन्होंने बहुत सारे ट्रेनिंग प्रोग्राम और रिसर्च स्टडीज़ की हैं। वह कई किताबों, रिपोर्ट और आर्टिकल की लेखिका भी हैं। हम पूरे दिल से उनके प्रति आभार व्यक्त करते हैं। हम फाउंडेशन के विकास के लिए उनके सहयोग और योगदान की उम्मीद करते हैं।

दाताओं की सूची

- श्री कैलाश नायर
- श्री एशले पॉल
- श्री जितेन्द्र चौधरी

अधिकारियों की भागीदारी

- 02 दिसंबर, 2025 को कार्यकारी सदस्यों के साथ भविष्य के रिसर्च और प्रोग्राम एजेंडा पर चर्चा करने के लिए एक मीटिंग हुई।

- चेयरपर्सन डॉ. अनिला नायर ने वी.वी. गिरि नेशनल लेबर इंस्टीट्यूट, नोएडा, यू.पी. के डायरेक्टर जनरल डॉ. अरविंद से मुलाकात की और उन्होंने फाउंडेशन के कुछ पब्लिकेशन पेश किए।

- 10 दिसंबर, 2025 को फाउंडेशन ने मानवाधिकारों की सार्वभौम घोषणा मनाई।

भारत में पर्यटन क्षेत्र में रोज़गार की संभावनाएँ
डॉ. अनिला नायर द्वारा

भारत ज्ञान, मेडिकल केयर और सांस्कृतिक अनुभव चाहने वाले अंतर्राष्ट्रीय और घरेलू यात्रियों को आकर्षित करने वाला एक प्रमुख वैश्विक डेस्टिनेशन बना हुआ है।

इंडिया टूरिज्म स्टैटिस्टिक्स 2025 के अनुसार, इस सेक्टर में 2022 में ज़बरदस्त उछाल देखा गया। घरेलू पर्यटकों की संख्या 1,731.01 मिलियन तक पहुँच गई, जो 155.45% की वृद्धि है, जबकि पिछले साल की तुलना में विदेशी पर्यटकों की संख्या 714.26% बढ़कर 8.59 मिलियन हो गई। आगंतुकों की यह भारी आमद एक महत्वपूर्ण आर्थिक इंजन के रूप में काम करती है, जिससे परिवहन, हॉस्पिटैलिटी, हेल्थकेयर और हस्तशिल्प क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर रोज़गार पैदा होता है। इस गति को बनाए रखने और भारत को दुनिया के अग्रणी डेस्टिनेशन के रूप में स्थापित करने के लिए, यह टेक्स्ट इंफ्रास्ट्रक्चर और सेवाओं में सुधार की आवश्यकता पर ज़ोर देता है। मुख्य प्राथमिकताओं में यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करना, सुरक्षित परिवहन और आवास प्रदान करना और सर्टिफाइड गाइड नियुक्त करना शामिल है। इन यात्री-अनुकूल उपायों को प्रभावी ढंग से लागू करके, भारत विश्व स्तर पर सबसे पसंदीदा यात्रा स्थलों में से एक बनने की स्थिति में है।

असंगठित कार्यबल: महत्वपूर्ण विशेषताएं

- कुल वर्कफोर्स का 90 प्रतिशत हिस्सा असंगठित मज़दूरों का है।
- भारत में कुल रोज़गारशुदा लोगों की संख्या 643 मिलियन है।
- असंगठित क्षेत्र में कर्मचारियों की संख्या 440 मिलियन है।
- असंगठित मज़दूरों का सबसे ज़्यादा हिस्सा कृषि क्षेत्र में है।
- असंगठित क्षेत्र में महिलाएं – घरेलू उद्यमों में सहायक के तौर पर महिलाओं की हिस्सेदारी – 38%.
- घरेलू और घर के कामों में महिलाओं की हिस्सेदारी 95.9% है।
- सबसे ज़्यादा रजिस्टर्ड असंगठित मज़दूरों वाला राज्य – उत्तर प्रदेश।

श्रम संहिताएँ

लेबर कोड में मज़दूर की परिभाषा

"(z) "मज़दूर" का मतलब कोई भी ऐसा व्यक्ति है (अप्रेंटिस एक्ट, 1961 की धारा 2 के क्लॉज़ (aa) के तहत परिभाषित अप्रेंटिस को छोड़कर) जिसे किसी भी इंडस्ट्री में मैनुअल, अनस्किल्ड, स्किल्ड, टेक्निकल, ऑपरेशनल, क्लर्कियल या सुपरवाइज़री काम करने के लिए वेतन या इनाम पर रखा गया हो, चाहे रोज़गार की शर्तें साफ़ तौर पर बताई गई हों या इशारों में, और इसमें शामिल हैं:

- **काम करने वाले पत्रकार।**
- **सेल्स प्रमोशन कर्मचारी**

लेकिन इसमें एयर फ़ोर्स, पुलिस सर्विस, नेवी में ऐसे कोई भी व्यक्ति शामिल नहीं हैं।"

Source: From minimum wage code.

श्रम संहिताएँ

21 नवंबर 2025 को, भारत सरकार ने चार श्रम संहिताएँ अधिसूचित कीं, जिनके नाम हैं:

- वेतन संहिता, 2019;
- औद्योगिक संबंध संहिता, 2020;
- सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020; और
- व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य और कार्य शर्तें संहिता, 2020।

इन अधिनियमों के संहिताकरण के मुख्य उद्देश्य तीन हैं:

- विलय;
- युक्तिकरण; और सरलीकरण

How to get in touch
011-96676 48959
triniketanfoundation2018@gmail.com
https://triniketanfoundation.org.in/

The details of our bank accounts are:
Axis Bank Ltd, Munirka,
R.K. Puram Branch,
New Delhi-110067,
Savings Bank Account No.
923010000628304,
IFS Code UTIB0003532

Published by: JRP Enterprises, 248/B, Rama Market, Munirka, New Delhi-110067